इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/**Do not open this Test Booklet until you are asked to do so.**

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **16**
No. of Pages in Booklet : **16**

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**

Paper Code : **02**

ST-22

Paper-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या / Question Booklet No. **2290211**

SUBJECT : **Hindi**

समय : **02.30** घण्टे Time : **02.30** Hours

अधिकतम अंक : **300** Maximum Marks: **300**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–

- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर पत्र के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-

- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Question of Question booklet and OMR answer sheet are properly printed. All question as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
5. **OMR** उत्तर–पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
6. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानी पूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः **1, 2, 3, 4** अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर–पत्रक पर **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से गहरा करना है।
9. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।
10. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer all questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
6. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Answer Sheet. Candidate will themselves be responisble for filling wrong Roll Number.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN.**
9. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
10. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Prevention of Unfair means) Act, 2022 & any other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति, परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानी पूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे। परीक्षार्थी कार्बन प्रति को अपने साथ ले जायेंगे।

1. निम्नलिखित में से 'विग्रह' शब्द का अर्थ नहीं है –
(1) विस्तार (2) कलह (3) विचार (4) शरीर

2. 'गज–गैंडा धीर न धरै, वज्र पड़ै वघ–वाव', 'वीर सतसई' पद में वघ–वाव शब्द का अर्थ है –
(1) वन की वायु (2) सिंह की गंध (3) शत्रु पर प्रहार (4) वज्र जैसा शस्त्र

3. भूषण द्वारा रचित 'शिवराज भूषण' काव्य का मुख्य विषय है –
(1) प्रकृति चित्रण (2) छत्रसाल की वीरता
(3) अलंकार (4) राष्ट्रीय भावना

4. 'उजाले के मुसाहिब', कहानी का मूल कथ्य है –
(1) राजा द्वारा प्रजा के शोषण पर व्यंग्य (2) सामन्तों की चाटुकारिता पर व्यंग्य
(3) सामन्ती जीवन में भ्रष्टाचार का चित्रण (4) राजा की अयोग्यता का चित्रण

5. सूर के भ्रमरगीत की विशेषता निम्नलिखित में से कौनसी नहीं है?
(1) प्रकृति के आलम्बन रूप की प्रधानता (2) गोपियों की विरह वेदना
(3) उक्ति वैचित्र्य एवं वाग्विदग्धता की प्रधानता (4) उद्धव का उपहास

6. 'पिय बिछुरन को दुसह दुख, हरषु जात प्यौसार' पंक्ति की समानता निम्नलिखित में किससे की गई है?
(1) युद्ध स्थल में खड़े अर्जुन की दशा से (2) दुर्योधन की भांति प्राण त्यागते समय की दशा से
(3) सीता हरण के पश्चात् राम की दशा से (4) द्रौपदी के चीरहरण पर उसकी विह्वल दशा से

7. निम्नलिखित में शुद्ध शब्द है –
(1) सुश्रुषा (2) सुश्रूषा (3) शुश्रुषा (4) शुश्रूषा

8. कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?
(1) चौपाई – मात्रिक सम छंद (2) द्रुतविलंबित – वर्णिक समवृत्त छंद
(3) हरिगीतिका – प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ (4) कवित्त – प्रत्येक चरण में 32 वर्ण

9. कौनसा विवरण सही नहीं है?
(1) 'राउलवेल' में नायिका का नख–शिख वर्णन है।
(2) 'वर्णरत्नाकर' मैथिली में रचित गद्य रचना है।
(3) 'उक्तिव्यक्ति प्रकरण' एक व्याकरण ग्रंथ है।
(4) 'वसंतविलास' में वीर रस की तीव्र धारा प्रवाहित है।

10. दन्तोष्ठ्य व्यंजन बताइए –
(1) व (2) त (3) थ (4) प

11. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य का उदाहरण कौनसा है?
(1) राम से आम खाया नहीं जाता। (2) मैंने पुस्तक पढ़ी।
(3) राम आम खाएगा। (4) आम खाया जाता है।

12. रीतिकालीन साहित्य के विषय में असत्य कथन है –
(1) मतिराम के काव्य में ऋतुवर्णन सर्वाधिक है। (2) भूषण के काव्य में अतिशयोक्ति है।
(3) देव रीतिबद्ध काव्य धारा के कवि हैं। (4) घनानंद का प्रेम एकांगी है।

13. पूर्वी हिंदी के अंतर्गत कौनसी बोली नहीं है?
(1) छत्तीसगढ़ी (2) बघेली (3) अवधी (4) बुंदेली

14. निम्नलिखित में गलत कथन है –
(1) समास एवं वर्ण गुंफ रीतियों के विभाजन के बाह्य आधार माने गए।
(2) माधुर्य गुण व्यंजक वर्ण, ललित पद और अल्प समासयुक्त रीति गौड़ी है।
(3) मानव स्वभाव की तीन प्रवृत्तियाँ – कोमल, परुष और मध्यम – रीति विभाजन का आधार बनीं।
(4) आचार्य वामन ने रीति के तीन प्रकार माने हैं।

15. "तबहिं उपँगसुत आय गए।
सखा सखा कछु अंतर नाहीं भरि भरि अंक लए।"
यहां 'उपँगसुत' से आशय है –
(1) उद्धव (2) सुदामा (3) कृष्ण (4) बलराम

16. इनमें से कौनसा शब्द विदेशी है?
(1) जंघा (2) पपीता (3) तद्भव (4) शाप

17. विधानवाचक वाक्य का उदाहरण है –
(1) ठंडी हवा चल रही है। (2) वहाँ मत जाओ।
(3) शिकारी ने कबूतर को नहीं देखा। (4) क्या वे त्यागपत्र देंगे?

18. 'लहरों के राजहंस' नाटक का पात्र निम्नलिखित में से कौन नहीं है?
(1) नन्द (2) नीहारिका (3) शशांक (4) मैत्रेयी

19. राणा हम्मीर ने राजा मालदेव से दहेज में क्या मांगा?
(1) अनेक दास–दासियां (2) कामदार मौजीराम
(3) अपार धन–सम्पदा (4) मगरा, गोडवाड आदि आठ जिले

20. शुद्ध वाक्य बताइए –
(1) आप कब आ रहे? (2) आप कब आ रहे हो।
(3) आप कब आ रहे हो? (4) आप कब आ रहे हैं?

21. 'पूर्वी हिंदी' का उद्भव किस अपभ्रंश से हुआ?
(1) मागधी (2) अर्धमागधी (3) शौरसेनी (4) केकय

22. "भनिति मोरि सब गुनरहित, बिस्वबिदित गुन एक।
सो बिचारि सुनिहहिं सुमति, जिन्हके बिमल बिबेक।।"
उक्त पद्यांश में तुलसीदास ने किस गुण की ओर संकेत किया है?
(1) संस्कृत के स्थान पर लोकभाषा अवधी का प्रयोग (2) प्रभु का चरित्र
(3) रोचक कथा तत्व (4) पाठकों की काव्य रुचि

23. 'रैण दिना वाके, संगि खेलूँ' और 'झिरमिट खेलन जाती', पंक्तियों से मीरा का कृष्ण के प्रति निम्नलिखित में से कौनसा भाव प्रकट होता है?
(1) सख्य भाव (2) आराध्य भाव (3) दास्य भाव (4) दाम्पत्य भाव

24. जब लक्ष्यार्थ में वाच्यार्थ सम्मिलित रहता है। शब्द शक्ति होती है –
(1) प्रयोजनवती – लक्षणा (2) उपादान – लक्षणा
(3) रूढ़ि – लक्षणा (4) लक्षण – लक्षणा

25. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए –

रचनाएं	रचनाकार
(क) आपका बंटी	(i) मैत्रेयी पुष्पा
(ख) अन्या से अनन्या	(ii) चित्रा मुद्गल
(ग) आवां	(iii) प्रभा खेतान
(घ) इदन्नमम्	(iv) मन्नू भण्डारी

सही विकल्प है –
(1) (क)–iii, (ख)–ii, (ग)–i, (घ)–iv (2) (क)–iv, (ख)–iii, (ग)–ii, (घ)–i
(3) (क)–i, (ख)–iv, (ग)–ii, (घ)–iii (4) (क)–ii, (ख)–i, (ग)–iv, (घ)–iii

26. 'राम की शक्ति पूजा' कविता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के किस काव्य संग्रह में संकलित है?
(1) अनामिका (2) गीतिका (3) तुलसीदास (4) परिमल

27. 'शुक्लजी ने प्रथम बार हिंदी साहित्य के इतिहास को कविवृत्तसंग्रह की पिटारी से बाहर निकाला।' उक्त कथन किसका है?
(1) डॉ. नगेंद्र (2) नंददुलारे वाजपेयी (3) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (4) हजारी प्रसाद द्विवेदी

28. 'नर का बहाया रक्त, हे भगवान! मैंने क्या किया।' यह उद्‌गार किसका है?

(1) दुर्योधन (2) भीष्म पितामह (3) सत्य (4) युधिष्ठिर

29. प्रेमाख्यान काव्य परंपरा से संबंधित गलत तथ्य है –

(1) इस परंपरा के काव्य प्रबंधात्मक शैली में रचित हैं।
(2) इन काव्यों में प्रेम को जीवन का सर्वोपरि तत्त्व माना गया है।
(3) सभी प्रेमाख्यान मुस्लिम कवियों द्वारा रचित हैं।
(4) इनके पात्र मुख्यतः दो श्रेणियों – मानवीय और मानवेतर – के हैं।

30. किस वाक्य में संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?

(1) धन के बिना किसी का काम नहीं चलता।
(2) नौकर मालिक के पास रहता है।
(3) गाड़ी समय से पहले आई।
(4) यह काम पहले करना चाहिए।

31. तत्सम–तद्‌भव का कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) राजा – राय (2) पक्ष – पंख (3) वत्स – बस्ती (4) स्वामी – साईं

32. निम्नलिखित में अशुद्ध शब्द है –

(1) योद्धा (2) अभ्यंतर (3) उलंघन (4) पुनर्जन्म

33. निम्नलिखित में से कौनसा कथन आचार्य रामचंद्र शुक्ल के विचारों के विपरीत है?

(1) घनानंद की अधिकांश कविता भक्ति भाव की कोटि में नहीं आएगी, श्रृंगार की ही कही जाएगी।
(2) 'विरह वारीश' और 'इश्कनामा' बोधा की रचनाएं हैं।
(3) 'लोगन कवित्त, कीबो खेल करि जानो है।' यह कहकर ठाकुर कवियों को चेतावनी दे रहे हैं कि कवि कर्म कठिन काम है।
(4) आलम रीतिबद्ध रचनाएं भी करते थे।

34. निम्नलिखित में गलत कथन है –

(1) 'श्रावकाचार' की रचना जैन आचार्य देवसेन ने की थी।
(2) मुनि जिनविजय ने 'भरतेश्वर–बाहुबलीरास' को जैन साहित्य की रास परंपरा का प्रथम ग्रंथ माना है।
(3) 'स्थूलिभद्ररास' के रचनाकार जिनधर्मसूरि माने जाते हैं।
(4) 'चंदनबालासस' एक महाकाव्य है।

35. ''जिनि मानिष तैं देवता, करत न लागी बार।'', 'बार' का भावार्थ है –

(1) उपालम्भ (2) आवृत्ति (3) नमस्कार (4) विलम्ब

36. निम्नलिखित पात्रों को रचनाओं से सुमेलित कीजिए –

पात्र	रचना
(क) लहनासिंह	(i) पूस की रात
(ख) दीवान	(ii) उसने कहा था
(ग) फगना	(iii) उजाले के मुसाहिब
(घ) हल्कू	(iv) पटाक्षेप नहीं होगा

सही विकल्प है –

(1) (क)–ii, (ख)–iii, (ग)–iv, (घ)–i
(2) (क)–ii, (ख)–iv, (ग)–iii, (घ)–i
(3) (क)–ii, (ख)–iii, (ग)–i, (घ)–iv
(4) (क)–i, (ख)–iv, (ग)–iii, (घ)–ii

37. 'वज्र सा कुछ टूटकर स्मृति से गिरा, दब गये कौन्तेय दुर्वह भार से।' कुरुक्षेत्र के अनुसार वज्र सा गिरने पर स्मृति हो आई –

(1) आकाशीय बिजली गिरने की
(2) युधिष्ठिर की द्यूत क्रीड़ा की
(3) अभिमन्यु के अन्यायपूर्ण वध की
(4) शरशैया पर लेटे भीष्म पितामह की

38. 'इक–डंकी गिण ऐक–रो, भूले कुळ–साभाव्र', कवि किस एक शासक की बात कर रहा है?

(1) अकबर (2) अंग्रेज (3) जयपुर नरेश (4) राजपूताना नरेश

2290211

39. निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है –
(1) घोड़ा चलता–चलता अड़ गया।
(2) अब और स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता नहीं है।
(3) अब वह गाँव से लौट चुका होगा।
(4) इस कक्ष के भीतर प्रवेश करना निषेध है।

2290211

40. किस वाक्य में संदिग्ध वर्तमान काल है?
(1) बच्चा आनंदपूर्वक सोता होगा।
(2) शायद वह जयपुर जाए।
(3) वह घर जा चुका होगा।
(4) उसने गीत गाया होगा।

41. निम्नलिखित में से पुल्लिंग शब्द है –
(1) संविदा (2) निगम (3) अग्नि (4) मृत्यु

42. निम्नलिखित में संदेहवाचक वाक्य है –
(1) अध्यापक के साथ संभवतः छात्र भी आएँ।
(2) संभावना पहली कक्षा में पढ़ती है।
(3) अगर तुमने परिश्रम किया होता तो सफल हो जाते।
(4) क्या तुम मेरे साथ चलोगे?

2290211 2290211

43. भक्तिकालीन कृष्ण काव्य के संबंध में कौनसा विवरण गलत है?
(1) अष्टछाप के सभी कवि सूरदास के प्रभाव से पूर्णतः मुक्त हैं।
(2) अधिकांश कृष्ण काव्य गीतिपदों में लिखा गया है।
(3) इस काव्य की एक सामान्य प्रकृति है कि यह अधिकतर मुक्तक रूप में रचा गया है।
(4) पुष्टिमार्गीय कृष्ण काव्य में गोपाल कृष्ण की बाललीला को विशेष महत्त्व दिया गया है।

44. देवनागरी लिपि से संबंधित है –
(1) खरोष्ठी लिपि (2) शारदा लिपि (3) चित्र लिपि (4) कुटिल लिपि

45. निम्नलिखित में गलत विवरण है –
(1) हजारी प्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों में सांस्कृतिक विरासत, नवीन जीवनबोध, उत्कट जिजीविषा और नई सामाजिक समस्याओं का चित्रण है।
(2) निबंधकार बालकृष्ण भट्ट और प्रतापनारायण मिश्र को आचार्य शुक्ल ने हिंदी का 'स्टील' और 'एडीसन' कहा है।
(3) द्विवेदी युग में निबंध साहित्य की उपलब्धियाँ नगण्य हैं।
(4) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने वैचारिक निबंधों को चरमोत्कर्ष तक पहुंचाया।

निर्देश : प्र.सं. 46 - 48 के उत्तर अपठित गद्यांश के आधार पर दीजिए –

भूमि, जन और जन की संस्कृति को राष्ट्र कहते हैं। प्रत्येक नागरिक पर राष्ट्र के प्रति तीन प्रकार के ऋण हैं – देव ऋण, पितृ ऋण तथा ऋषि ऋण। प्रत्येक नागरिक को अपने–अपने ऋणों को चुकाकर राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह करना चाहिए। राष्ट्र हमारा पालन–पोषण एवं संवर्द्धन करता है, अतः उसे माता के समान माना गया है। हमें राष्ट्र को माँ के समान सम्मान देना चाहिए। राष्ट्र की प्रगति और सुख–समृद्धि में प्रत्येक नागरिक की साझेदारी हो, ऐसा प्रयास करना ही राष्ट्र वंदना है, राष्ट्र पूजा है। यही उसके राष्ट्र प्रेम, देश भक्ति तथा मातृभूमि के प्रति सर्वस्व समर्पण की भावना को प्रकट करता है। राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में हमारी भूमिका निर्णायक सिद्ध होगी। हमें करों का भुगतान पूरी ईमानदारी के साथ करना चाहिए। कर वंचक राष्ट्र की आर्थिक दशा को खोखला करते हैं।

46. तीनों ऋण चुकाने के उपरांत के लिए क्या अपेक्षित है?
(1) जीवन के चतुर्थ काल में मायामोह त्यागकर संन्यास ग्रहण करना।
(2) लोकोपयोगी परंपराओं के प्रसार का दायित्व।
(3) दुष्प्रवृत्तियों को दूर करते हुए सत्प्रवृत्तियों को बलिष्ठ बनाने का दायित्व।
(4) राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन।

47. राष्ट्र के आर्थिक खोखलेपन को किस प्रकार दूर किया जा सकता है?

(1) तीव्र औद्योगिक विकास द्वारा
(2) बेरोजगारी मिटाकर
(3) समुन्नत कृषि द्वारा
(4) करों का भुगतान करके

48. राष्ट्र के प्रति प्रेम और भक्ति भाव प्रदर्शित करने वाले विभिन्न घटकों में से किसका उल्लेख उक्त अवतरण में नहीं हुआ है?

(1) राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन
(2) राष्ट्र की प्रगति में साझेदारी
(3) राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान
(4) मातृभूमि के प्रति सम्मान

निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर प्रश्न संख्या 49 से 50 तक के उत्तर दीजिए –

"ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में,
मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है।
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य से,
उद्यम से श्रमजल से।

49. पद्यांश के आधार पर असंगत कथन बताइये –

(1) भाग्यवादी मानते हैं कि ईश्वर ही भाग्य का निर्माता है।
(2) जन्म से पूर्व ही प्रकृति मनुष्य के भाग्य में सब कुछ लिख देती है।
(3) श्रम से प्रकृति पर विजय प्राप्त कर इच्छानुसार फल प्राप्ति हो सकती है।
(4) मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है।

50. "ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में, मनुज नहीं लाया है" – पंक्ति का आशय है –

(1) कर्म की अपेक्षा भाग्य श्रेष्ठ है।
(2) ईश्वर ही प्रकृति है जो मनुष्य के भाग्य को लिखती है।
(3) मनुष्य भाग्य से नहीं अपितु कर्म से इच्छित फल प्राप्त करता है।
(4) मनुष्य अपना भाग्य अपने सुख से प्राप्त करता है।

51. रचनाकारों और रचनाओं को समेलित कीजिए –

रचनाकार	रचनाएं
(अ) अशोक वाजपेयी	(i) रात अब भी मौजूद है
(ब) लीलाधर जगूड़ी	(ii) पहाड़ पर लालटेन
(स) मंगलेश डबराल	(iii) सुरत निरत
(द) ऋतुराज	(iv) समय के पास समय है

विकल्प –

(1) (अ)–iv, (ब)–ii, (स)–i, (द)–iii
(2) (अ)–ii, (ब)–i, (स)–iv, (द)–iii
(3) (अ)–iv, (ब)–i, (स)–ii, (द)–iii
(4) (अ)–ii, (ब)–iv, (स)–iii, (द)–i

52. 'मेरी भव बाधा हरौ, राधा नागरि सोइ। जा तन की झांई परै स्यायु हरित दुति होई।' दोहे में 'हरित–दुति' पद का अर्थ नहीं है –

(1) हरे रंग वाला
(2) कल्मषता
(3) हृतद्युति
(4) प्रसन्न वदन

53. किस लोकाक्ति का भावार्थ सही नहीं है?

(1) होनहार बिरवान के होत चीकने पात – स्वस्थ पौधे के पत्ते चीकने होते हैं
(2) नेकी कर दरिया में डाल – भला करके भूल जाना चाहिए
(3) न रहेगा बाँस न बजेगी बाँसुरी – समस्या को जड़ से मिटाना
(4) हथेली पर सरसों नहीं उगती – समय आने पर काम होता है, जल्दबाजी से नहीं

gagron.in

54. नाथ पन्थ के सन्दर्भ में उपयुक्त नहीं है –
(1) नाथ पंथ के प्रवर्तक मत्स्येन्द्रनाथ हैं।
(2) हठयोग अन्तः शुद्धि का साधन है।
(3) गुरु की महत्ता है।
(4) ईश्वर निराकार स्वरूप है।

55. कौन से विकल्प में द्विगु समास के उदाहरण हैं?
(1) अमचूर, इकसठ
(2) घृतान्न, प्रेमसागर
(3) शीतोष्ण, इकतारा
(4) नीललोहित, इकतीस

56. अत्यंत शब्द में उपसर्ग है –
(1) अ (2) अति (3) अत् (4) अत्य

57. निम्नलिखित में अशुद्ध शब्द है –
(1) अतिथी (2) व्यावसायिक (3) सहानुभूति (4) वैयाकरण

58. किस विकल्प के सभी शब्द शुद्ध हैं?
(1) उषा, वाल्मीकि (2) उष्मा, प्रतीक्षा (3) कुमुदनी, आशीर्वाद (4) ऐच्छिक, रात्री

59. 'जिसका हृदय उतना मलिन जितना कि शीर्ष बलक्ष है।' बलक्ष से आशय है –
(1) वैभवशाली (2) चमकीला (3) वलयाकार (4) बलशाली

60. निम्नलिखित में क्रियाविशेषण उपवाक्य नहीं है –
(1) छात्र नहीं आएँगे, अध्यापक जानता था।
(2) जितनी दूर यह रहेगा, उतनी ही कार्यसिद्धि होगी।
(3) जब बिजली चली गई, सभा विसर्जित हो गई।
(4) यात्रा में जहाँ पहले दिन लगते थे, वहाँ अब घंटे लगते हैं।

61. निम्नलिखित रचनाओं का उनकी विधाओं के साथ सुमेलित सही वर्ग है –

रचना	विधा
(क) बाणभट्ट की आत्मकथा	(i) नाटक
(ख) आत्मजयी	(ii) उपन्यास
(ग) स्मृति की रेखाएं	(iii) काव्य संग्रह
(घ) आषाढ़ का एक दिन	(iv) संस्मरण

सही विकल्प है –
(1) (क)–i, (ख)–iv, (ग)–ii, (घ)–iii
(2) (क)–iv, (ख)–ii, (ग)–iii, (घ)–i
(3) (क)–ii, (ख)–iii, (ग)–iv, (घ)–i
(4) (क)–iii, (ख)–i, (ग)–iv, (घ)–ii

62. निम्नलिखित में से असंगत कथन कौनसा है?
(1) जहाँ कोई विशेष शब्द, पद, वाक्य–खंड इत्यादि उद्धृत किए जाएँ वहाँ दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है।
(2) महत्त्वपूर्ण कथन, कहावत, संधि आदि को उद्धृत करने में दुहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग होता है।
(3) जहाँ स्थिति निश्चित न हो, वहाँ प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग होता है।
(4) जहाँ अपने से छोटों के प्रति शुभकामनाएं और सद्भावनाएं प्रकट की जाएँ, वहां विस्मयादिबोधक चिह्न का प्रयोग होता है।

63. "जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नांहिं।
सब अँधियारा मिट गया, जब दीपक देखा मांहि।।"
उक्त साखी का भावार्थ है –
(1) अंधकार मिटाने के लिए प्रकाश आवश्यक है।
(2) परमात्मा हमारे अंदर ही है, उसे बाहर खोजने की आवश्यकता नहीं।
(3) परमात्मा ज्योतिस्वरूप है, उसकी प्राप्ति से पीड़ा जनित अंधकार मिट जाता है।
(4) अहंकार त्यागे बिना परमात्मा से मिलना संभव नहीं।

64. राहुल सांकृत्यायन के अनुसार पहले सिद्ध कवि जिन्होंने चर्यागीतों और दोहाकोश की रचना की –
(1) शबरपा (2) लुइपा (3) सरहपा (4) कण्हपा

65. निम्नलिखित वाक्यों की शुद्धता पर विचार कीजिए –
(अ) अपनी कक्षा के सभी लड़कों का नाम बताओ।
(ब) महात्मा ने अपराधी को शाप दिया।
(स) मैंने फलवाला से फल खरीदे।
(द) आपसे निवेदन है।
(य) जो आना चाहते हैं, वह आ सकते हैं।
उक्त में से शुद्ध वाक्य हैं –
(1) (अ), (स)
(2) (अ), (य)
(3) (ब), (द)
(4) (स), (य)

66. "भगत देख्याँ राजी हययाँ, जगत देख्याँ रूयाँ।
असुवाँ जल सींच सींच प्रेम बेल बूयाँ।"
उक्त पद्यांश से संबंधित पद के अनुसार मीराँ के रुदन के पीछे कौनसा कारण नहीं है?
(1) बंधु–बांधवों का विरोध
(2) आश्रयहीनता
(3) संसार की दुर्दशा
(4) परिवार वालों के अत्याचार

67. "आली री म्हारे णेणाँ बाण पड़ी।
मीरा गिरधर हाथ बिकाणी, लोग कहयाँ बिगड़ी।।"
इस पद के अनुसार मीराँ के नेत्रों को कौनसी आदत पड़ गई है?
(1) कृष्ण आगमन का पथ निहारने की
(2) दिन–रात आँसू बहाने की
(3) सदैव बंद रहने की
(4) अहर्निश जागने की

68. 'तुम धन्य हो! तुम्हें धिक्कार है!!' 'लोभ और प्रीति' निबंध में उक्त उद्‌गार का लक्ष्य है –
(1) लोभी (2) आलसी (3) योगी (4) प्रेमी

69. प्रेरणार्थक क्रिया के संबंध में कौनसा गलत कथन है?
(1) सभी प्रेरणार्थक क्रियाएँ अकर्मक होती हैं।
(2) मूल धातु के जिस विकृत रूप से क्रिया के व्यापार में कर्ता पर किसी की प्रेरणा समझी जाती है, उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं।
(3) मूल धातु के अंत में 'आ' जोड़ने से पहली प्रेरणार्थक क्रिया और 'वा' जोड़ने से दूसरी प्रेरणार्थक क्रिया बनती है।
(4) अधिकतर धातुओं से दो–दो प्रकार की प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनती हैं।

70. किस विकल्प में सभी शब्द भाववाचक संज्ञा हैं?
(1) आकार, वर्तमान, समान
(2) समझ, बुढ़ापा, चतुराई
(3) मिठास, सत्य, पालतू
(4) गहरा, उष्णता, अनुचित

71. निम्नलिखित रचनाओं और रचनाकारों का सही युग्म नहीं है –
(1) बीसल देव रासो – नरपति नाल्ह
(2) खुमाण रासो –जयदेव
(3) परमाल रासो – जगनिक
(4) हम्मीर रासो – शाङ्‌र्गधर (शार्ङ्गधर)

72. जायसी की देवनागरी लिपि के वर्णो पर आधारित काव्य रचना है –
(1) आखरी कलाम (2) पद्‌मावत (3) अखरावट (4) मधुमालती

73. 'पथिक! सँदेसो कहियो जाय।' पद में पथिक शब्द किसके लिए आया है?
(1) उद्धव के लिए
(2) मथुरा जाने वाले व्यक्ति के लिए
(3) अक्रूर के लिए
(4) गोप के लिए

74. किस विकल्प में समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों का अर्थभेद सुमेलित नहीं है?
(1) वस्तु – वास्तु = पदार्थ – भवन
(2) मल – मल्ल = गंदगी – पहलवान
(3) अलि – अली = सखी – भौंरा
(4) व्रण – वर्ण = घाव – रंग

gagron.in

75. 'फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है।' इसका भावार्थ है –

(1) अधिकाधिक फल की इच्छा कार्य में तीव्रता लाती है।

(2) अच्छे कर्मों से वांछित फल की प्राप्ति होती है।

(3) निष्काम भाव से कर्म सौंदर्य बढ़ता है।

(4) फल के प्रति अधिक लगाव कर्म के प्रति उदासीनता पैदा करता है।

76. निम्नलिखित में अशुद्ध शब्द है –

(1) सौजन्य (2) अन्तर्धान (3) मिष्ठान्न (4) उपलक्ष्य

77. रामानंद के शिष्यों में सम्मिलित नहीं है –

(1) धन्ना (2) पीपा (3) मलूकदास (4) सेना

78. "मनु जाहिं राचेउ मिलिहि सो बरु सहज सुंदर साँवरो।
करुना निधान सुजान सील सनेहु जानत रावरो।।"
उक्त पद्यांश के अनुसार सीता जी को किसने आशीर्वाद दिया?

(1) पार्वती जी ने (2) राजा जनक के पुरोहित ने

(3) मुनि विश्वामित्र ने (4) राजा जनक ने

79. सोरठा छंद है –

(1) मात्रिक विषम छंद (2) वर्णिक सम छंद

(3) मात्रिक अर्द्धसम छंद (4) वर्णिक अर्द्ध सम छंद

80. रीतिकाल को श्रृंगार काल की संज्ञा देने वाले विद्वान हैं –

(1) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र (2) मिश्र बन्धु

(3) नगेन्द्र (4) भगीरथ मिश्र

81. कहानीकारों और कहानियों को सुमेलित कीजिए –

कहानीकार	**कहानी**
(अ) मणिका मोहिनी	(i) पत्थर गली
(ब) नासिरा शर्मा	(ii) ढाई आखर प्रेम का
(स) चित्रा मुद्गल	(iii) उसका यौवन
(द) ममता कालिया	(iv) अपनी वापसी

विकल्प –

(1) (अ)–ii, (ब)–iv, (स)–iii, (द)–i (2) (अ)–ii, (ब)–i, (स)–iv, (द)–iii

(3) (अ)–iii, (ब)–ii, (स)–i, (द)–iv (4) (अ)–iv, (ब)–iii, (स)–ii, (द)–i

82. नाट्य साहित्य के विषय में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) प्रसाद के अधिकतर नाटक पौराणिक पृष्ठभूमि पर आधारित हैं।

(2) नाटक साहित्य की वह विधा है, जिसकी सफलता का परीक्षण रंगमंच पर होता है।

(3) लक्ष्मीनारायण मिश्र समस्या नाटककार के रूप में प्रतिष्ठित हैं।

(4) भारतेंदु हरिशचंद्र ने पारसी थियेटर की आदर्शहीनता के विरुद्ध आदर्शवादी नाट्यकला के उत्थान का प्रयत्न किया।

83. उपन्यास के विकास क्रम से संबंधित कौनसा कथन गलत है?

(1) प्रेमचंद के उपरांत मनोविज्ञान, इतिहास, ग्रामांचल आधुनिकताबोध, प्रयोगशीलता आदि विविध पृष्ठभूमियों पर उपन्यास लिखे गए।

(2) प्रेमचंद से पूर्व हिंदी उपन्यास चरमोत्कर्ष को प्राप्त कर चुका था।

(3) प्रेमचंद ने हिंदी कथा साहित्य को मनोरंजन के स्तर से उठाकर जीवन के साथ सार्थक रूप से जोड़ने का काम किया।

(4) भारतेंदु युग में सामाजिक, ऐतिहासिक, तिलस्मी–ऐयारी आदि उपन्यासों का सूत्रपात हुआ।

2290211

84. निम्नलिखित रचनाकारों को उनकी रचनाओं के नाम से सुमेलित कीजिए तथा सही विकल्प का चयन कीजिए –

रचनाकार	रचनाएं
(क) रघुवीर सहाय	(i) नाटक जारी है
(ख) धूमिल	(ii) गर्म हवाएं
(ग) लीलाधर जगूड़ी	(iii) संसद से सड़क तक
(घ) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	(iv) कुछ पते कुछ चिट्ठियां

सही विकल्प है –

(1) (क)–iii, (ख)–i, (ग)–ii, (घ)–iv
(2) (क)–iv, (ख)–ii, (ग)–i, (घ)–iii
(3) (क)–ii, (ख)–i, (ग)–iii, (घ)–iv
(4) (क)–iv, (ख)–iii, (ग)–i, (घ)–ii

85. प्रारंभ में 'पिंगल' नाम किस बोली के लिए प्रयुक्त होता था?

(1) मारवाड़ी (2) ब्रजभाषा (3) अवधी (4) खड़ीबोली

86. शब्द और उसमें प्रयुक्त प्रत्यय की दृष्टि से सुसंगत विकल्प है –

(1) भाषण – अन (2) दयालु – लु (3) माननीय – ईय (4) विदित – इत

87. किस विकल्प में गुणवाचक विशेषण नहीं हैं?

(1) सब, यथेष्ट, समूचा
(2) उचित, शांत, सीधा
(3) काला, बुरा, दुष्ट
(4) पिछला, वर्तमान, नया

88. सूबेदार हजारासिंह जर्मन अफसर को अपना लपटन साहब क्यों समझ बैठा?

(1) सरदारों की–सी दाढ़ी के कारण।
(2) उसने लपटन साहब की वर्दी पहन रखी थी।
(3) वह साफ–सुथरी पंजाबी बोल रहा था।
(4) उसका व्यवहार अत्यंत अपनत्वपूर्ण था।

89. "'कामायनी' उस अर्थ में कथा काव्य नहीं है, जिस अर्थ में 'साकेत' है। 'कामायनी' की कथा केवल एक फैण्टेसी है।" यह विचार किसका है?

(1) रामचंद्र शुक्ल
(2) नंददुलारे वाजपेयी
(3) गजानन माधव मुक्तिबोध
(4) जयशंकर प्रसाद

90. 'भक्तमाल' के रचयिता थे –

(1) रामानन्द (2) कृष्ण पयहारी (3) अनंतानंद (4) नाभादास

91. राजा मालदेव ने राणा हम्मीर के पास अपनी पुत्री का विवाह प्रस्ताव क्यों भेजा?

(1) छल–कपट की योजनानुसार
(2) पुत्री की इच्छा के वशीभूत होकर
(3) रानी के हठ के कारण
(4) भविष्य के मधुर संबंधों के लिए

92. निम्नलिखित में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए –

(1) आपका उत्तर मुझसे अच्छा है।
(2) मेरे मित्रों को और मुझे क्रिकेट खेलने का शौक है।
(3) वे ईमानदार इंसान हैं।
(4) मजदूरों में रोष था, इसलिए उन्होंने घेराव किया।

93. निम्नलिखित में गलत कथन है –

(1) अनुभाव द्वारा रसास्वादन की सूचना प्राप्त होती है।
(2) संचारी भाव स्थायी भावों के उपकारक होते हैं और उन्हें रस दशा तक पहुँचाते हैं।
(3) संचारी भाव रस की सिद्धि तक स्थिर नहीं रहते, अपितु उत्पन्न और विलीन होते रहते हैं।
(4) विभाव को रस का कार्य कहा जाता है।

94. 'चिकने घड़े पर पानी नहीं ठहरता', लोकोक्ति का भावार्थ है –

(1) मूर्ख व्यक्ति बहुत समझाने पर भी नहीं समझता।
(2) बातें करने वाले लोग काम नहीं करते।
(3) निर्लज्ज व्यक्ति पर किसी बात का असर नहीं होता।
(4) समझदार व्यक्ति पर बुरी संगति का असर नहीं होता।

95. ढक रहे थे उसका वपु कांत,
बन रहा था वह कोमल वर्म।
'वपु' का अर्थ है –

(1) कान (2) वस्त्र (3) देह (4) मस्तिष्क

96. कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) गिरिजाकुमार माथुर – धूप के धान (2) केदारनाथ अग्रवाल – युगांत
(3) त्रिलोचन – धरती (4) नागार्जुन – सतरंगे पंखों वाली

97. 'तिमाही' में कौनसा समास है?

(1) कर्मधारय (2) द्विगु (3) द्वन्द्व (4) तत्पुरुष

98. खोयो मै घर में अवट, कायर जंबुक काम
सीहां केहा देसड़ा, जैथ रहै सो, धाम।
उक्त काव्यांश के संबंध में असंगत तथ्य है –

(1) अन्योक्ति अलंकार (2) गीदड़ों द्वारा सिंहों को ललकारना
(3) सूक्ति शैली का प्रयोग (4) कायरों की भर्त्सना

99. 'श्रद्धा–भक्ति' निबंध से संबंधित असंगत विचार है –

(1) प्रेम का व्यापार स्थल विस्तृत है, श्रद्धा का एकांत।
(2) यदि प्रेम स्वप्न है, तो श्रद्धा जागरण है।
(3) प्रेम में घनत्व अधिक है और श्रद्धा में विस्तार।
(4) प्रेम का कारण बहुत कुछ अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है, पर श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है।

100. 'दाँतों तले अँगुली दबाना', मुहावरे का अर्थ है –

(1) दाँतों से अँगुली काटना। (2) प्रभाव जमाना।
(3) आश्चर्य चकित होना। (4) दुखी हो जाना।

101. कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं हैं?

(1) माटी की मूरतें – रामवृक्ष बेनीपुरी (2) रेखाएं बोल उठीं – देवेंद्र सत्यार्थी
(3) हमारे आराध्य – बनारसीदास चतुर्वेदी (4) जो न भूल सका – कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर

102. पदक्रम के संबंध में असंगत कथन निम्नलिखित में से कौनसा है?

(1) समानाधिकरण शब्द मुख्य शब्द के पहले आता है तथा पहले शब्द में विभक्ति का प्रयोग होता है।
(2) प्रश्नवाचक क्रिया विशेषण और सर्वनाम अवधारण के लिए मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया के बीच में भी आ सकते हैं।
(3) संबंधवाचक और उसके अनुसंबंधी सर्वनाम के कर्मादि कारक बहुधा वाक्य के आदि में आते हैं।
(4) अवधारण के लिए भेदक और भेद्य के बीच में संज्ञा, विशेषण और क्रिया विशेषण आ सकते हैं।

103. 'कामायनी' के काव्य शिल्प के विषय में गलत कथन है –

(1) यह अपने रूपकत्व में एक मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक मंतव्य को प्रकट करती है।
(2) इसकी कथावस्तु का मूलाधार पुराण हैं।
(3) सर्गों का नामकरण मनोविकारों के नाम पर हुआ है।
(4) यह आदिमानव की कथा तो है ही, पर इसके माध्यम से वर्तमान के महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर भी विचार किया गया है।

104. शब्द–शक्ति के संबंध में असंगत कथन कौनसा है?

(1) जब वाच्यार्थ सर्वथा परित्यक्त नहीं होता, तब उपादान लक्षणा होती है।
(2) जब लक्ष्यार्थ मे वाच्यार्थ सम्मिलित नहीं होता तब लक्षण–लक्षणा शब्द शक्ति होती है।
(3) जब व्यंजना शब्द और अर्थ दोनों में हो तब आर्थी व्यंजना होती है।
(4) जब व्यंजना शब्द में हो तथा शब्द बदल देने से व्यंग्यार्थ नष्ट हो जाए तब शाब्दी व्यंजना होती है।

105. किस विकल्प के सभी शब्द परस्पर पर्यायवाची नहीं हैं?
(1) कोविद, सुधी, बुध
(2) निलय, सदन, निकेतन
(3) तोय, तड़ाग, आपगा
(4) ईप्सा, स्पृहा, वांछा

106. किस विकल्प में वाक्यांश और उसके लिए प्रयुक्त सार्थक शब्द असंगत हैं?
(1) लौटकर आया हुआ – अभ्यागत
(2) आदि से अंत तक – आद्योपांत
(3) जिसका कोई शत्रु नहीं जन्मा हो – अजातशत्रु
(4) जो बहुत कठिनाई से मिलता है – दुर्लभ

107. निम्नलिखित में से कौन सा शब्द तत्सम नहीं है?
(1) सूची (2) चौकी (3) सपत्नी (4) भक्त

108. संवृत स्वर हैं –
(1) उ, ऊ (2) ओ, औ (3) अ, आ (4) ए, ऐ

109. "अभिप्राय यही है कि देवी यशोधरा का आकर्षण यदि राजकुमार सिद्धार्थ को बांधकर अपने पास रख सकता, तो क्या वे आज राजकुमार सिद्धार्थ ही न होते?" लहरों के राजहंस का यह संवाद है –
(1) अलका का सुंदरी के प्रति
(2) सुंदरी का अलका के प्रति
(3) सुंदरी का नंद के प्रति
(4) श्यामांग का श्वेतांग के प्रति

110. "सनि–कज्जल चख–झख–लगन उपज्यौ सुदिन सनेहु
क्यों न नृपति ह्वै भोगवैं लहि सुदेसु सबु देहु।।"
उक्त दोहे के विषय में कौनसा तथ्य गलत है?
(1) कवि का ज्योतिष ज्ञान
(2) नायक का राजा के रूप में चित्रण
(3) सखी का नायिका प्रति कथन
(4) श्लेष और रूपक अलंकार का सौंदर्य

111. "गुरु प्रसाद सूई कै नांकै, हस्ती आवै जाँही।" इस पंक्ति में कबीर का अभिप्राय है –
(1) गुरु कृपा से सुई भी हाथी के समान महत्त्वपूर्ण हो जाती है।
(2) गुरु कृपा से सुई से हाथी वश में आ जाता है।
(3) गुरु कृपा से हाथी प्राप्त हो जाता है।
(4) गुरु कृपा से असंभव कार्य भी सहज संभव हो जाते हैं।

112. आचार्य वामन के मतानुसार गुण विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) गुणों की कुल संख्या तीन है।
(2) गुण काव्य का नित्य तत्त्व है।
(3) ये काव्य के शोभाकारक धर्म हैं।
(4) अर्थ की स्पष्टता प्रसाद गुण है।

113. वचन के संबंध में कौनसा विवरण सही नहीं है?
(1) इसके कारण विकारी शब्दों में रूपांतरण होता है।
(2) कुछ संज्ञा शब्द सदैव एकवचन और कुछ सदैव बहुवचन होते हैं।
(3) वाक्य में वचन की पहचान केवल क्रियाओं द्वारा होती है।
(4) अधिकतर संज्ञा शब्द एकवचन से बहुवचन के रूप में परिवर्तित होते हैं।

114. 'सु' उपसर्ग का उदाहरण है –
(1) सुर (2) सुंदर (3) सुनसान (4) सुलभ

115. 'कविता सविता से अच्छा गाती है', वाक्य में कौनसा कारक है?
(1) अपादान कारक
(2) संप्रदान कारक
(3) करण कारक
(4) संबंध कारक

116. निम्नलिखित में गलत संधि विच्छेद है –
(1) वार्तालाप – वार्ता + आलाप
(2) मतैक्य – मत + ऐक्य
(3) पित्रिच्छा – पितृ + इच्छा
(4) जगद्गुरु – जगत + गुरु

117. 'कंगाली में आटा गीला', लोकोक्ति का अर्थ है –
(1) मुसीबत पर मुसीबत आना।
(2) थोड़ा–थोड़ा इकट्ठा करना।
(3) कष्ट में राहत।
(4) धन की निरंतर कमी होना।

118. किस विकल्प में विलोम शब्द–युग्म नहीं है?
(1) बर्बर – सभ्य
(2) परुष – कोमल
(3) उद्धत – विनीत
(4) सदाशय – महाशय

119. मानक हिंदी का आधार कौनसी बोली है?
(1) अवधी (2) कन्नौजी (3) खड़ीबोली (4) ब्रजभाषा

120. निम्नलिखित में प्रबंधात्मक रचना नहीं है –
(1) छत्रप्रकाश (लालकवि)
(2) शिवराज भूषण (भूषण)
(3) हिम्मतबहादुर विरुदावली (पदमाकर)
(4) सुजान चरित (सूदन)

121. किस विकल्प में विराम चिह्न का नाम और उसका चिह्न सुमेलित नहीं हैं?
(1) पूर्ण विराम = ।
(2) निर्देशक चिह्न = –
(3) अर्द्ध विराम = ;
(4) त्रुटिपूरक पद या हंसपद = ...

122. उपमा अलंकार के विषय में असंगत कथन है –
(1) उपमान का अन्य नाम 'अप्रस्तुत' है।
(2) उपमेय, उपमान, वाचक और साधारण धर्म इसके अंग हैं।
(3) उपमेय को 'प्रस्तुत विषय' भी कहते हैं।
(4) काव्य में चारों अंग स्पष्टतः विद्यमान होने पर ही उपमा अलंकार होता है, अन्यथा नहीं।

123. आधुनिक काल को तीन चरणों में विभक्त करके उन्हें प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय उत्थान किसने कहा है?
(1) डॉ. नगेंद्र
(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(3) हजारी प्रसाद द्विवेदी
(4) डॉ. विजयेन्द्र स्नातक

124. ''वास्तव में श्रृंगार और वीर इन्हीं दो रसों की कविता इस काल में हुई। प्रधानता श्रृंगार की ही रही। इससे इस काल को रस के विचार से कोई श्रृंगालकाल कहे, तो कह सकता है।'' यह कथन किनका है?
(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) आचार्य हज़ारीप्रसाद द्विवेदी
(3) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(4) डॉ. नगेंद्र

125. द्विवेदीयुगीन काव्यधारा के विषय में कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) इस युग के कुछ कवियों ने ब्रजभाषा में भी काव्य रचना की है।
(2) इस युग का कवि रूढ़िमुक्त होकर नए युग की संवेदनाओं को ग्रहण करना चाहता था।
(3) इस युग में प्रबंधात्मक रचनाओं का नितांत अभाव रहा।
(4) आचार्य शुक्ल ने इसे 'नई धारा (द्वितीय उत्थान)' नाम दिया।

126. विभावना अलंकार होता है –
(1) कारण के होने पर भी कार्य न हो।
(2) कारण के बिना कार्य हो जाए।
(3) जब कारण कहीं और कार्य कहीं और हो।
(4) कारण के साथ कार्य हो जाए।

127. स्थायी भाव नहीं है –
(1) शोक (2) रति (3) स्वेद (4) क्रोध

128. 'यदि तुम परिश्रम करोगे तो तुम्हें परीक्षा में सफलता मिलेगी।' वाक्य का प्रकार है –
(1) विस्मयवाचक (2) विधानवाचक (3) संकेतवाचक (4) इच्छावाचक

129. रामचरित मानस के बालकाण्ड में वक्ता–श्रोता के रूप में किसका उल्लेख नहीं है?

(1) शिव – काकभुशुण्डि
(2) याज्ञवल्क्य – भरद्वाज
(3) याज्ञवल्क्य – विश्वामित्र
(4) काकभुशुण्डि – याज्ञवल्क्य

130. फगना आदि को लच्छीराम का प्रधान बनना क्यों गवारा नहीं था?

(1) लच्छीराम स्वयं प्रधान नहीं बनना चाहता था।
(2) उन्हें आशंका थी कि वह रामसिंह के हाथ की कठपुतली बन जाएगा।
(3) वह अनपढ़ और बहुत भोला था।
(4) वह अपनी जाति वालों से मन ही मन विद्वेष रखता था।

131. ऋ का उच्चारण स्थान है –

(1) कंठ (2) मूर्धा (3) दन्त्य (4) तालु

132. इकाई विधि के प्रवर्तक हैं –

(1) एच. सी. मॉरीसन
(2) जॉन डीवी
(3) हण्ट
(4) किलपैट्रिक

133. एक बालक जिसकी शिक्षा लब्धि 85 से कम है, उसके सीखने संबंधी कठिनाइयों का ज्ञान प्राप्त करने की क्रिया को क्या कहा जाता है?

(1) निदानात्मक शिक्षण
(2) निदानात्मक व उपचारात्मक शिक्षण
(3) सम्प्राप्ति शिक्षण
(4) उपचारात्मक शिक्षण

134. मौखिक अभिव्यक्ति के मूल्यांकन हेतु कौनसी गतिविधि उपयुक्त नहीं है?

(1) लेखन कार्य
(2) वाद–विवाद
(3) परिचर्चा
(4) उत्सवों के अवसर पर भाषण

135. चित्र विस्तारक यंत्र है –

(1) श्रव्य तथा दृश्य (2) श्रव्य (3) चित्रात्मक (4) दृश्य

136. किसी शिक्षक के कक्षा में अध्यापनार्थ प्रवेश के बाद का पाठ कहलाता है –

(1) पाठ प्रस्तुति पूर्वभाग
(2) पाठ प्रस्तुतिकरण भाग
(3) पाठ संयोजन भाग
(4) संकलन भाग

137. भाषा शिक्षण का सिद्धांत नहीं है –

(1) स्वाभाविक विधि के अनुसरण का सिद्धांत
(2) वैयक्तिक विभिन्नता सिद्धांत
(3) स्वाध्याय विधि का सिद्धांत
(4) रोचकता सिद्धांत

138. ट, ठ, ष का उच्चारण स्थल है –

(1) वर्त्स (2) मूर्द्धा (3) कण्ठ (4) ओष्ठ

139. हरबर्ट के पंच पदीय पाठ योजना का तार्किक क्रम है –

(1) प्रस्तावना → प्रस्तुतीकरण → सामान्यीकरण → तुलना → प्रयोग
(2) प्रस्तावना → प्रस्तुतीकरण → तुलना → प्रयोग → सामान्यीकरण
(3) प्रस्तुतीकरण → प्रस्तावना → तुलना → सामान्यीकरण → प्रयोग
(4) प्रस्तावना → प्रस्तुतीकरण → तुलना → सामान्यीकरण → प्रयोग

140. "हमारे विद्यालय में, ऐसे छात्र पाए जाते हैं जो दोषरहित हैं परंतु उन्हें अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए सहायता की आवश्यकता है।" किसने कहा?

(1) बी.एफ. स्किनर (2) ब्लायर (3) जॉन डीवी (4) थॉर्नडाईक

141. "करम गति टारे हुँ नाहि टरै।" को एक शिक्षक अन्तर्कथा के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्रस्तुत कर रहा है, वह शिक्षक पद्य शिक्षण की किस विधि से अध्यापन कार्य कर रहा है?

(1) व्याख्या विधि
(2) भाव तुलना विधि
(3) समभाषा विधि
(4) समीक्षा विधि

142. रंगमंच प्रणाली का दूसरा रूप है –

(1) कक्षाभिनय प्रणाली (2) व्याख्या प्रणाली (3) संयुक्त प्रणाली (4) संवाद प्रणाली

143. नाद सौंदर्य, भाव–सौंदर्य एवं विचार सौंदर्य का अभ्यास कराया जाता है –

(1) गद्य शिक्षण में (2) पद्य शिक्षण में (3) व्याकरण शिक्षण में (4) नाटक शिक्षण में

144. आजकल वर्तनी संबंधी अशुद्धियां माध्यमिक स्तर तथा उच्च माध्यमिक स्तर पर काफी पाई जा रही है, जिनका कारण नहीं है –

(1) लेखन का प्रचुर अभ्यास
(2) लिपि के उचित ज्ञान का अभाव
(3) व्याकरण की अनभिज्ञता
(4) उच्चारण की अशुद्धता

145. आगमन प्रणाली का रूप है –

(1) पाठ्य–पुस्तक प्रणाली
(2) समानान्तर प्रणाली
(3) सूत्र प्रणाली
(4) प्रयोग प्रणाली

146. अपने विचारों को सदियों तक सुरक्षित रखने हेतु निम्न में से किसकी आवश्यकता है?

(1) लिखित अभिव्यक्ति
(2) मौखिक अभिव्यक्ति
(3) श्रवण अभिव्यक्ति
(4) वाचन अभिव्यक्ति

147. अनुभूति प्रधान पाठ किसे कहा जाता है?

(1) साहित्यिक पाठों को
(2) कौशल पाठों को
(3) प्रायोगिक पाठों को
(4) सूचना प्रधान पाठों को

148. निम्नांकित में से कहानी शिक्षण का उद्देश्य है –

(1) उचित यति, गति एवं लय का विकास करना।
(2) भाषा के सौंदर्य की समझ विकसित करना।
(3) छंद, अलंकार एवं शब्दशक्ति का विकास करना।
(4) बोध, कल्पना एवं तर्कशक्ति का विकास करना।

149. भाषा किस प्रकार का विषय है?

(1) ज्ञान प्रधान (2) क्रियात्मकता प्रधान (3) तथ्यात्मकता प्रधान (4) सूचनात्मकता प्रधान

150. वस्तुनिष्ठ प्रश्न का प्रकार नहीं है –

(1) बहुविकल्प प्रश्न (2) लघुत्तरात्मक प्रश्न (3) सत्य/असत्य प्रश्न (4) युगलीकरण प्रश्न